हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 10 मई, 2025

11 भोजावास में वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की जयंती...

12 अधिकारी व कर्मचारियों के अभाव में कनीना...

स्वास्थ्य विभाग एवं फायर ब्रिगेड की छुट्टियां रद, अलर्ट रहने के आदेश

भारत-पाक तनाव के मद्देनजर सरकारी महकमे सजग

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नारनौल

भारत-पाक तनाव के मद्देनजर सरकार ने विभिन्न सरकारी महकमों को अलर्ट कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग एवं फॉयर ब्रिगेड समेत संबंधित विभागों को विशेष हिदायत जारी कर उन्हें सजग रहने के आदेश जारी किए गए हैं। इसके चलते सरकारी अस्पताल के डाक्टरों एवं स्टॉफ की छुट्टियां रद कर दी गई हैं।

स्वास्थ्य विभाग को 24 घंटे अलर्ट रहने के साथ-साथ सरकारी एवं प्राइवेट अस्पतालों के बीच सामंजस्य बनाकर स्वास्थ्य सेवाएं देने के आदेश हुए हैं। इसी के मद्देनजर सिविल सर्जन ने एंबुलेंस एवं ब्लड बैंक को भी ड्यूटी के प्रति पाबंद कर दिया है। आपातकालीन सेवाएं बहाल एवं सुदृढ़ रखने के सीधे आदेश हैं। जैसे-जैसे भारत-पाक के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे ही सतर्कता का दायरा भी विस्तृत होता जा रहा है।

सीमा के नजदीक लगते गांवों एवं शहरों में जहां आपातकालीन अलर्ट घोषित कर दिया गया है, वहीं इनसे कुछ दूरी पर बसे एवं शहरों में भी अलर्ट लागू कर दिया गया है।

नारनौल। रेलवे स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाती पुलिस।

रेलवे स्टेशन पर चेकिंग अभियान

जीआरपी के एसएचओ कैलाश चंद शर्मा ने बताया कि युद्ध के मद्देनजर पूरी सतर्कता बरती जा रही है तथा गहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। आज हमने रेलवे स्टेशन पर गाड़ियों को चेक करने के साथ ही ड्यूटी पर लौट रहे सैनिकों को आराम से बैठाने में मदद की। कमांडो, डॉग स्कवायड, आरपीएफ एवं जीआरपी ने संयुक्त अभियान चलाकर ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशन को चेक किया तथा सुरक्षा सुनिश्चित करने की हर संभव कोशिश की गई। चेकिंग के दौरान वेटिंग हॉल, पार्किंग आदि को चेक किया गया। कोई आपत्तिजनक वस्तु या व्यक्ति नहीं मिला। आपातकालीन समय पर सॉयरन एवं हूटर बजने पर क्या-क्या सावधानी बरतनी चाहिएं, यह सब भी बताया गया।

यह कहते हैं सिविल सर्जन

इसी प्रकार सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार ने बताया कि तनाव के मद्देनजर आपात सेवाएं 24 घंटे बहाल रखने के आदेश हैं। सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ प्राइवेट अस्पतालों से भी तालमेल बनाकर रखने एवं उनको भी अलर्ट रहने के आदेश हैं। जिले में लगभग 2 हजार बैड तैयार हैं। कोरियावास मेडिकल कॉलेज भी चलने लगा है तथा जरूरत पड़ने पर उसे भी काम लिया जाएगा। सरकारी एंबुलेंस 28 हैं, जिनसे चौकस रहने को कहा गया है। प्राइवेट की सूची तैयार की जा रही है। इस प्रकार ब्लड बैंक को भी अलर्ट किया गया है। सरकारी अस्पतालों के लगभग 175 डाक्टर तैयार हैं तथा प्राइवेट को भी उपचार में योगदान देने की हिदायत दे दी गई है।

यह बोले-फॉयर अफसर

फॉयर अफसर राजवीर सिंह ने बताया कि डीजी के आदेशानुसार फॉयर कर्मियों की ड्यूटी बढ़ा दी गई है तथा अब वह आठ–आठ घंटे ड्यूटी करने की बजाए 12–12 घंटे ड्यूटी करेंगे। उन्होंने बताया कि आदेशानुसार जिले के सभी कर्मचारियों को अलर्ट रहने के आदेश जारी कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि जिले में इस समय पांच फायर स्टेशनों पर लगभग 9 फायर गाड़ियां विभिन्न क्षमता वाली तैयार हैं तथा इनमें करीब 57 कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं। इन सभी को आपातकाल स्थित अनुसार कॉल करके मात्र 10 मिनट के अंदर संबंधित जगह पर पहुंचने के आदेश हैं। गाड़ियां आगजनी बुझाने के साथ–साथ आपात सेवाएं देने को पूरी तरह तैयार हैं।

ड्यूटी टाइम बढ़ाया गया : इसी अलर्ट के मद्देनजर नारनौल में स्वास्थ्य विभाग, फॉयर ब्रिगेड, एंबूलेंस एवं ब्ल्ड बैंक आदि को भी अलर्ट कर दिया गया है। इनकी छुट्टियां रद कर दी गई हैं तथा ड्यूटी टाइम बढ़ा दिया गया है। यदि आपात स्थिति बनती है तो स्टॉफ को यदि घर पर भी है तो भी जरूरत अनुसार संबंधित अस्पताल या स्टेशन पर पहुंचना होगा।

सभी कर्मी अलर्ट हैं: एसई

बिजली निगम के एसई जोगेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि सरकारी आदेशों के संदर्भ में कहा कि हम बिल्कुल अलर्ट हैं। हमें जो भी आदेश मिलेगा, हम वहीं ड्यूटी देने को तैयार हैं। यदि ब्लैक आउट के आदेश आएंगे तो बिजली काटी भी जाएगी।

खबर संक्षेप

चेलावास में मंदिर के दानपात्र को तोड़ा

कनीना। गांव चेलावास स्थित दादा ठाकुर मंदिर में रखे गए दानपात्र को अज्ञात चोरों ने तोड़कर नकदी निकाल ली। इस बारे में मंदिर कमेटी के प्रधान विनोद कुमार की ओर से सिटी थाना पुलिस में दी शिकायत में बताया कि बीती रात्रि अज्ञात चोरों ने दानपात्र तोड़कर उसमें रखे आठ से 10 हजार निकाल लिए।

दैनिक रेलयात्री महासंघ ने भेजा ज्ञापन

महेंद्रगढ़। दैनिक रेलयात्री महासंघ ने अपनी मांगों को लेकर पीएम, रेलमंत्री व रेलवे अधिकारियों के नाम ज्ञापन स्टेशन मास्टर सरीता को सौंपा हैं। दैनिक रेलयात्री महासंघ अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने बताया कि जोधपुर-दिल्ली ट्रेन का ऋषिकेश तक का विस्तार छह वर्षो अटका पड़ा है।

मातृत्व दिवस पर विद्यार्थियों ने माताओं का किया पूजन

नांगल चौधरी। कार्यक्रम में भाग लेता स्कूल स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

नांगल चौधरी। सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्या वंदना यादव की अध्यक्षता में मातृत्व दिवस मनाया गया। जिसमें शामिल माताओं का विद्यार्थियों ने पूजन किया तथा अज्ञाकारी बने रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संस्था के एमडी अमित यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने बुजुर्ग महिला व सीनियर शिक्षिकाओं को सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि परिवार का अनुशासन और बच्चों के संस्कार महिलाओं पर निर्भर होते हैं, लेकिन पश्चिमी देशों की संस्कृति का प्रभाव बढ़ने से अधिकांश युवा महिलाओं व बुजुर्गों की अनदेखी करना आरंभ कर दिया। उन्होंने देश की आजादी में महिलाओं के योगदान से अवगत कराया। कहा कि शहीद भगत सिंह की माता ने पुत्र की शहादत पर हर्ष जताया था। विद्यालय प्रबंधक निदेशक अमित यादव ने वरिष्ठ महिला अध्यापिकाओं मुकेश, सुमित्रा, विनोद को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

घटते लिंगानुपात पर सहेली रखेगी गर्भवती महिलाओं पर नजर

कनीना। उप नागरिक अस्पताल में शुक्रवार को पीएमएसएमए योजना के तहत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अस्पताल प्रभारी डॉ. रेनु वर्मा ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सरकार के आदेशानुसार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सहेली कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। जिसमें स्वास्थ विभाग के अलावा आशा वर्कर व आंगनबाड़ी वर्कर को जरूरी दिशानिर्देश दिए गए। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को बेटी बचाओ की शपथ भी दिलाई गई। गिरते लिंगानुपात पर अंकुश लगाने लगाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर को आंगनबाड़ी वर्कर के माध्यम से प्रत्येक गांव व शहर में गर्भवती महिलाओं का अपडेट रिकार्ड संरक्षित करने को कहा।

ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

महेंद्रगढ़। गांव गुढ़ा निवासी एक व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। जीआरपी पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। गांव गुढ़ा निवासी सुनील कुमार ने जीआरपी पुलिस को बताया कि उसका छोटा भाई सुरेश कुमार जो शादीशुदा है। वह शराब पीने का आदी था। वह आठ मई रात को शराब पीकर आया था और उसके पिता के पास बैठक में सोया था। रात को पता नहीं वह उठकर कहां चला गया। जो वापस घर नहीं लौटा। सुनील ने बताया कि सुबह सूचना मिली कि भाई सुरेश की रेलगाड़ी से कटने के कारण मौत हो गई।

यदुवंशी स्कूल में मदर्स डे का भव्य आयोजन

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में मदर्स डे के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गाया। इस अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मातृत्व के महत्व और माताओं के योगदान को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के अध्यक्ष राव बहादुर सिंह ने की। कार्यक्रम में निदेशक सुरेश यादव, प्राचार्य डॉ. अनंत शर्मा तथा उप प्राचार्य नरेश यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। राव बहादुर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि मां के बिना जीवन की कल्पना अधूरी है। निदेशक सुरेश यादव ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे मां के प्रति अपना स्नेह केवल इस दिन नहीं, बल्कि हर दिन प्रकट करें।

आकाशवाणी व दूरदर्शन जैसे विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी लें, दिन में दो बार से अधिक समाचार न देखें

पुलिस की अपील: सतर्क रहें, संगठित रहें, अज्ञात लिंक पर न करें क्लिक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नारनौल

भारतीय सेना की ओर से आतंकवाद के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सिंदूर को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने नागरिकों के लिए सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देश जारी किए हैं। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने कहा कि आपात स्थिति में डरने के बजाय संयम व सतर्कता जरूरी है। वहीं कोई भी व्यक्ति किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे सबसे पहले अपनी और अपने परिजनों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

घर में बिना खिड़की वाला सुरक्षित कमरा पहचानें और बाहर होने की स्थिति में मजबूत ढांचे या निचली जगह की शरण लें। एसपी ने कहा कि इमरजेंसी किट तैयार रखें, जिसमें पहचान पत्र, आवश्यक दवाइयां, पानी, सूखा भोजन, मोबाइल चार्जर और टॉर्च हो। यह एक ऐसे बैग में रखे, जिसे तुरंत लेकर निकला जा सके। पुलिस ने अफवाहों से बचने की सलाह दी है और केवल आधिकारिक माध्यम जैसे राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, आकाशवाणी व दूरदर्शन जैसे विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी लेने को कहा है। सोशल मीडिया पर प्रसारित किसी भी सूचना की पहले पुष्टि करें। दिन में दो बार से अधिक समाचार न देखें। सोशल मीडिया पर बिना जांचे कोई जानकारी साझा न करें। संदिग्ध, लावारिस वस्तु दिखने पर हेल्पलाइन 112 या पुलिस नियंत्रण कक्ष के नम्बर 01282251288 पर संपर्क करें।

बम निरोधक दस्ता ने सुरक्षा व्यवस्था को लकर चलाया सर्च अभियान

नारनौल। सर्च अभियान चलाता बम निरोधक दस्ता।

बम निरोधक दस्ता, बम निरोधक स्टाफ यूनिट रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए नेशनल हाईवे 152 डी हाईवे पर बारिकी से जांच की गई तथा फ्लाई ओवरों की भी जांच की गई। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार बम निरोधक दस्ता यूनिट रेवाड़ी व महेंद्रगढ़ पुलिस की टीम 152 डी नेशनल हाईवे पर विभिन्न स्थानों पर यह चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान फ्लाई ओवरों सहित अन्य विभिन्न स्थानों की जांच की गई।

कमांडो टीम का जांच अभियान, चप्पे-चप्पे की गहन तलाशी ली

पुलिस ने थाना शहर क्षेत्र के अंतर्गत बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर कमांडो टीम के साथ एक व्यापक सुरक्षा जांच अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के दिशानिर्देशानुसार आयोजित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करना था। अभियान के दौरान कमांडो टीम के साथ डॉग स्क्वायड की टीम भी मौजूद रही। डॉग स्क्वायड की मदद से बस स्टैंड व स्टेशन परिसर के चप्पे चप्पे की गहन तलाशी ली। इस दौरान बसों व यात्रियों के सामान की बारीकी से जांच की गई।

पृथ्वी पर 60,000 से अधिक ज्ञात वृक्ष प्रजातियां हैं।

अफ्रीका के सूखे मैदानों में पाए जाने वाले मोजावे रेगिस्तान के हॉजक्विन पेड़ को 'चलने वाला पेड़' कहा जाता है।

कैट परीक्षा पास कर जुड़ सकते हैं कॉर्पोरेट जगत से

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

आईआईएम और देश के अन्य सभी अच्छे बी-स्कूल के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले एमबीए और पीजीपी पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए एक कंप्यूटर आधारित परीक्षा ली जाती है जिसे कैट कहा जाता है। प्रतिवर्ष लाखों छात्र स्नातक पास करते है। इनमें से बहुत से छात्रों का सपना होता है कि वे कॉर्पोरेट जगत के साथ जुड़कर अपना कॅरियर सेट करें और बड़े पदों पर नियुक्त होकर खूब पैसा कमाएं। इस सपने को पूरा करने के लिए मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.) एक शानदार विकल्प है।

लाखों अभ्यार्थी देते परीक्षा

एम.बी.ए. कोर्स कई संस्थानों में उपलब्ध है मगर भारत में आई.आई.एम. की तरफ आयोजित कैट परीक्षा को सबसे अधिक अहम माना जाता है। कैट की परीक्षा में हर साल लाखों अभ्यर्थी हिस्सा लेते है, इसलिए छात्रों के लिए परीक्षा पास करना सरल नहीं होता है। परीक्षा पास करने के लिए छात्रों को निरंतर तैयारी करनी होती है। आईआईएम के अतिरिक्त कुछ ऐसे कॉलेज है जो कैट स्कोर के आधार पर उम्मीदवारों को एडमिशन देते हैं जिनकी सूची इस प्रकार है।

- एस. पी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च
- फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज
- मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट
- इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी
- जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज
- इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग

आवेदन शुल्क

अगर परीक्षा पैटर्न के बारे में बात करें तो प्रश्न पत्र में कुल छात्र सवाल आते हैं और इस प्रश्न पत्र को हल करने के लिए उम्मीदवारों को 2 घंटे का समय दिया जाता है। यदि इसकी वैलिडिटी की बात करें तो कैट स्कोर एक साल के लिए वैध रहता है। यह परीक्षा अंग्रेजी माध्यम में आयोजित की जाती है। कैट परीक्षा के लिए योग्यता की बात करें तो हिस्सा लेने वाले उम्मीदवार किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से न्यूनतम 50% अंक के साथ स्नातक पास होने चाहिए (एससी, एसटी और दिव्यांग के लिए यह 45%) तय किया गया है। जो छात्र ग्रेजुएशन के फाइनल ईयर में है वह भी कैट परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। अगर इस परीक्षा में निर्धारित किए गए आवेदन शुल्क की बात करें तो सामान्य श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए आवेदन शुल्क दो हजार तय किया गया है वहीं एससी, एसटी और दिव्यांग विद्यार्थियों को आवेदन शुल्क के रूप में 1,150 रुपये देने होते हैं।

एग्जाम के लिए योग्यता

- आवेदक भारत का नागरिक होना चाहिए।
- आवेदक भारत के किसी भी मान्यता प्राप्त कॉलेज/यूनिवर्सिटी से किसी भी स्ट्रीम में 50 % अंकों के साथ स्नातक पास हो।
- यदि आवेदक एससी एसटी पीडब्ल्यूडी श्रेणी से है तो उनके लिए आरक्षण के तहत अंकों में 5% की छूट दी गई है। ऐसे में ये सभी छात्र 45% अंकों के साथ स्नातक पास हो।
- यदि कोई अभ्यर्थी अपने स्नातक के फाइनल ईयर में है तो वह भी कैट परीक्षा के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि अभ्यर्थी विदेशी नागरिक हैं तो वह पीआईओ या एनआरआई श्रेणी के तहत कैट एग्जाम के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- कैट परीक्षा के लिए कोई भी आयु सीमा तय नहीं की गई है यानी कि किसी भी उम्र का व्यक्ति कैट परीक्षा दें सकता है।
- परीक्षा कितनी बार एटेम्पट की जा सकती है इस पर भी कोई बाध्यता नहीं है। कोई भी छात्र जितनी बार चाहे यह परीक्षा दें सकता है।

परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन

- कैट एग्जाम के रजिस्ट्रेशन के लिए आपको सबसे पहले कैट एग्जाम की वेबसाइट **https://iimcat.ac.in/** पर जाना होगा।
- वेबसाइट पर आने के बाद आपको दिए गए रजिस्टर के लिंक पर क्लिक करना होगा।
- रजिस्टर के लिंक पर क्लिक करने के बाद आपके सामने आवेदन फॉर्म खुल जाएगा।
- फॉर्म खुल जाने के बाद आपको इसमें सभी जरूरी जानकरियों को दर्ज करना होगा।
- जानकरी सावधानीपूर्वक भरने के बाद आपको सभी आवश्यक दस्तावेजो को अपलोड करना होगा।
- डॉक्यूमेंट अपलोड हो जाने के बाद आपको रजिस्ट्रेशन शुल्क की ऑनलाइन पेमेंट करनी होगी।
- आप फीस का भुगतान नेट बैंकिंग/डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड/यूपीआई आदि के माध्यम से कर पाएंगे।
- फीस का भुगतान करने के बाद आपको फॉर्म का प्रीव्यू कर सबमिट के बटन पर क्लिक करना होगा।
- जैसी ही आप सब्मिट के बटन पर क्लिक करेंगे आपका फॉर्म ऑनलाइन जमा हो जायेगा।
- इस प्रकार आप ऑनलाइन माध्यम से कैट एग्जाम के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते है।

भारत में सदियों से चली आ रही आभूषण बनाने और डिजाइन करने की कला

10वीं के बाद करें ज्वेलरी डिजाइनिंग का कोर्स, कमाई के मिलेंगे बेहतर अवसर

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

ज्वेलरी डिजाइनिंग आभूषणों को डिजाइन करने और बनाने की कला है। महिलाओं और पुरुषों द्वारा ज्वेलरी पहनने का प्रचलन मेसोपोटामिया और मिस्र की कम से कम 7,000 साल पुरानी सभ्यता से है। ज्वेलरी डिजाइनिंग के पारंपरिक विधि हाथ से चित्रकारी और ड्राफ्टिंग आज भी आभूषणों को डिजाइन करने में उपयोग में लिए जाते हैं। हालाँकि वर्तमान में ज्वेलरी डिजाइनिंग के तरीके काफ़ी बदल गए हैं। भारतीय ट्रेडिशन में गहनों को पवित्र और कीमती माना जाता है। आभूषण महिलाओं के श्रृंगार का महत्वपूर्ण हिस्सा है, हालाँकि प्राचीन काल में इनका स्वरूप मोती मणियों के आभूषण के रूप में था, जो अब बदल कर सोने-चांदी के आभूषण बन गए हैं। इन आभूषणों को बनाने का तरीका ही ज्वेलरी डिजाइनिंग कहलाता है। 20वीं सदी के दौरान ज्वेलरी

क्यों करें ज्वेलरी डिजाइनिंग कोर्स

- ज्वेलरी डिजाइन में छात्रों को ज्वैलरी क्रिएशन और डिजाइनिंग और ज्वैलरी डिजाइनिंग में महत्वपूर्ण सभी पहलुओं का ज्ञान प्राप्त होता है।
- ज्वेलरी डिजाइन कोर्स में मेटलर्जी, आभूषण डिजाइनिंग, डायमंड ग्रेडिंग और सॉर्टिंग, सीएडी , पोर्टफोलियो डेवलपमेंट, जेमोलॉजी, बीडिंग आर्ट आदि विषयों और विषयों के व्यापक क्षेत्र शामिल हैं।

- ज्वेलरी डिज़ाइन कोर्स पूरा करने के बाद, किसी ब्रांड या कंपनी में नौकरी करने के बजाय, कोई भी अपना खुद का एक ब्रांड लॉन्च करके उद्यमिता शुरू कर सकता है, जिसमें उनकी खुद की ज्वेलरी डिजाइनिंग होगी।
- ज्वेलरी डिजाइन कोर्स ज्वेलरी डिजाइन उद्योग जैसे उत्पाद विकास, ग्राफिक डिजाइन, मार्किट रिसर्च, रचनात्मकता आदि में प्रोफेशनल करियर बनाने के लिए नए कौशल सीखने में मदद करता है।
- ग्लासडोर के एक सर्वे के अनुसार, भारत में करियर के शुरुआती वर्षों में एक ज्वैलरी डिज़ाइनर की औसत कमाई 4-5 लाख प्रति वर्ष है।

गहनों को माना जाता है पवित्र और कीमती

ये करना होगा

ये स्किल्स चाहिए

- एडोब क्रिएटिव सूट
- ग्राफ़िक डिज़ाइन
- नेकलेस
- इंजीनियरिंग ड्राइंग
- खुदरा बिक्री
- सीएडी
- उत्पादन रूप
- कला शो
- डिज़ाइन प्रक्रिया
- उत्पाद विकास
- राइनो
- रुझान अनुसंधान
- बाजार अनुसंधान
- व्यापार की शो

ज्वेलरी डिजाइनिंग के विषय

डिजाइन की नींव, डिजाइन के तत्व, कंप्यूटर एडेड डिजाइन, व्यापारिक और विपणन विचार, डिजाइन के लिए उपकरण, डिजाइन के तरीके, डिजिटल प्रतिनिधित्व, गहनों का इतिहास, डिजाइन का विज्ञापन, रत्न विज्ञान और रत्नों की स्थापना।

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें।
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा।
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं।
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें।
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें।
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें। प्रवेश परीक्षा के अंको के

स्टेप बाय स्टेप गाइड

स्टेप 1- इसके लिए पहला कदम है 10+2 न्यूनतम 50% के साथ उत्तीर्ण करनी होगी।

स्टेप 2- बेहतर ज्वेलरी डिज़ाइनर बनने के लिए आपको डिजाइनिंग को बारीकी से समझना होगा, इसलिए ज्वेलरी डिजाइनिंग की पढ़ाई करने के लिए पहले प्रवेश परीक्षा को उत्तीर्ण करना होगा। प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय लेवल और राज्य लेवल दोनों स्तर पर कराए जाते हैं।

स्टेप 3- प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आपकी रैंक के अनुसार कॉलेज में एडमिशन मिलेगा। एडमिशन पक्का करने के लिए आपको कॉलेज द्वारा काउंसलिंग के लिए बुलाया जाएगा।

स्टेप 4- डिजाइनिंग को और डिटेल में जानने के लिए आप इसमें मास्टर्स डिग्री भी कर सकते हैं। विदेश में मास्टर्स करने के लिए आपको जीमैट /जीआरई जैसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी।

स्टेप 5- ज्वेलरी डिजाइनिंग की पढ़ाई पूरी होने के बाद आपको इंटर्नशिप करनी होगी ताकि आप डिजाइनिंग की प्रैक्टिकल नॉलेज प्राप्त कर सकें।

टॉप विदेशी यूनिवर्सिटीज

- नोवा स्कोटिया कॉलेज ऑफ़ आर्ट एंड डिज़ाइन (एनएससीएडी) यूनिवर्सिटी
- कला विश्वविद्यालय, लंदन
- बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी
- हर्टफोर्डशायर विश्वविद्यालय
- इंग्लैंड के पश्चिम विश्वविद्यालय
- रॉबर्ट गॉर्डन विश्वविद्यालय
- ग्रिफ़िथ विश्वविद्यालय
- एनएससीएडी विश्वविद्यालय
- क्रिएटिव आर्ट्स के लिए विश्वविद्यालय
- अल्स्टर यूनिवर्सिटी
- लासाल कॉलेज

टॉप भारतीय यूनिवर्सिटीज

- आर्क एकेडमी ऑफ डिजाइन, जयपुर
- महात्मा ज्योति राव फूल विश्वविद्यालय, जयपुर
- आरटीएमएनयू नागपुर
- सेंट्रल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, नागपुर
- जेईसीआरसी विश्वविद्यालय, जयपुर
- एएएफटी मीडिया और कला विश्वविद्यालय, रायपुर
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गुड़गांव
- भारतीय रत्न और आभूषण संस्थान- नई दिल्ली और मुंबई
- जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया- मुंबई
- भारतीय आभूषण संस्थान- मुंबई
- पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन- दिल्ली, जयपुर, मुंबई और नोएडा
- वोग इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी- बैंगलोर, डिजाइन कॉलेज

योग्यता

- यदि आप ज्वेलरी डिजाइनिंग में डिप्लोमा या बैचलर्स कोर्स करना चाहते है तो आपको 10+2 न्यूनतम 50% के साथ उत्तीर्ण करना होगा।
- ज्वेलरी डिजाइनिंग के लिए आपको कुछ प्रवेश परीक्षाओं को उत्तीर्ण करना होगा।
- यदि आप ज्वेलरी डिजाइनिंग में मास्टर कोर्स करना चाहते हैं तो बैचलर्स डिग्री का होना आवश्यक है। विदेश में पढ़ाई करने के लिए आपको जीमैट/जीआरई परीक्षा में अच्छा अंक प्राप्त करने होंगे।
- विदेश में ज्वेलरी डिजाइनिंग की पढ़ाई करने के लिए आपको इंग्लिश लैंग्वेज टेस्ट जैसे-आईईएलटीएस/टीओईएफएल आदि कोर्स पहले से करके तैयार रखने हैं।

टॉप जॉब प्रोफाइल

ज्वेलरी डिजाइनर, ज्वेलरी मरचेंड़ाइजर, एगजीबीशन मैनेजर, प्रोडक्शन मेनेजर, कास्टिंग मेनेजर, लेक्चरार, राइटर एंड ड्राफ्टर, म्यूजियम एंड आर्ट गैलरी मैनेजर, फ़ैशन कंसल्टेंट, ज्वेलरी हिस्टोरीयन, ग्रेडिंग एड्वाइजर, रत्न अपरेजर, ज्वेलरी डिजाइन सेल्फ बिजनेस, ज्वेलरी सेंटर।

हर छात्र को अपने जीवन में ऑपरेशन सिंदूर से लेनी चाहिए जरूरी सीख

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

भारतीय सेना हमारे देश का गौरव और शक्ति का प्रतीक है। उनके साहस, समर्पण और बलिदान की कहानियां हमें न केवल प्रेरित करती हैं, बल्कि यह भी सिखाती हैं कि देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा क्या होता है। आपने सुना होगा कि "हम सुरक्षित हैं, क्योंकि वे सीमा पर लड़ रहे हैं।" यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि एक ऐसी सच्चाई है, जो हर भारतीय के दिल में गर्व और कृतज्ञता जगाती है। हाल ही में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से यह साबित किया कि कोई भी भारतीय महिला का आंसू व्यर्थ नहीं जाएगा। इस ऑपरेशन का नाम और इसकी भावना उन महिलाओं को समर्पित है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया। आइए, इस ऑपरेशन से प्रेरणा लें और समझें कि कैसे हम अपने जीवन में उनके गुणों को अपनाकर देश के लिए गर्व का कारण बन सकते हैं।

सीमा पर उनकी वीरता, हमारे लिए शांति

जब आप अपने स्कूल में पढ़ रहे होते हैं, दोस्तों के साथ हंसते-खेलते हैं या अपने परिवार के साथ समय बिता रहे होते हैं, उस समय भारतीय सेना के जवान बर्फीली चोटियों, रेगिस्तान की गर्मी या जंगलों की कठिन परिस्थितियों में देश की रक्षा कर रहे होते हैं। ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने केवल 25 मिनट में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया, जिसमें 70 से अधिक आतंकी मारे गए। यह कार्रवाई इतनी सटीक थी कि किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया, जिससे भारत की संयमित और जिम्मेदार छवि दुनिया के सामने आई। ऑपरेशन सिंदूर हमें सिखाता है कि मुश्किल हालातों में भी धैर्य, अनुशासन और एकजुटता से बड़ी से बड़ी चुनौती को पार किया जा सकता है। जब आप पढ़ाई में किसी जटिल विषय से जूझ रहे हों, किसी असाइनमेंट में असफल हों या अपने सपनों को पूरा करने में रुकावटें आएं, तो भारतीय सेना के जवानों की वीरता को याद करें। उनकी तरह आपको भी हार नहीं माननी है। ऑपरेशन सिंदूर से हमें कुछ महत्वपूर्ण सबक मिलते हैं। सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को सावधानीपूर्वक योजना और सटीकता के साथ अंजाम दिया। आप भी अपनी पढ़ाई और लक्ष्यों के लिए एक योजना बनाएं और उसे पूरी मेहनत से लागू करें। टीम वर्क की ताकत: ऑपरेशन सिंदूर में सेना, नौसेना और वायुसेना ने मिलकर काम किया।

धैर्य और अनुशासन

ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने संयम और अनुशासन के साथ कार्रवाई की। आप भी अपने जीवन में अनुशासन लाएं, समय का पालन करें और धैर्य के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ें।

छात्र यात्रा में सेना की प्रेरणा : कई बार स्कूलों में छात्रों को सेना के कैंप या शैक्षिक यात्राओं पर ले जाया जाता है। वहां आपने देखा होगा कि जवान कितने अनुशासित, शांत और आत्मविश्वासी होते हैं। उनकी कहानियां और उनके मिशन, जैसे ऑपरेशन सिंदूर, हमें बताते हैं कि जीवन में कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। इस ऑपरेशन ने न केवल आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, बल्कि उन परिवारों को न्याय दिलाया, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया। प्रियदर्शिनी सत्पथी, जिनके पति प्रशांत सत्पथी पहलगाम हमले में शहीद हुए, ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर का नाम प्रतीकात्मक है आतंकी हमले ने मासूम महिलाओं के माथे से पवित्र सिंदूर छीन लिया। जब आप अपनी पढ़ाई में मेहनत करते हैं, तो यह सोचें कि आपकी सफलता आपके देश को मजबूत बनाएगी। चाहे आप डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक या कुछ और बनें, अगर आप अपने काम को पूरी लगन और ईमानदारी से करेंगे, तो आप भी अपने देश के लिए एक सैनिक की तरह योगदान देंगे।

सामान्य ज्ञान

1. ऋग्वेद में सबसे पवित्र नदी किसे माना गया है?
(ए) सिन्धु
(बी) सरस्वती
(सी) परुष्णी
(डी) शतुद्रि

2. वैदिक समाज की आधारभूत इकाई थी
(ए) कुल / कुटुम्ब
(बी) ग्राम
(सी) विश
(डी) जन

3. ऋग्वैदिक काल के उस सबसे प्रधान देवता की पहचान करें, जिसकी स्तुति में 250 सूक्तों की रचना की गयी थी
(ए) इन्द्र
(बी) अग्नि
(सी) वरुण
(डी) सूर्य

4. किस वेद में सभा को 'नरिष्ट' अर्थात सामूहिक वाद-विवाद या अनुल्लंघनीय कहा गया है?
(ए) ऋग्वेद
(बी) यजुर्वेद
(सी) सामवेद
(डी) अथर्ववेद

5. किस रचना में नारी को सुरा और पांसा के साथ तीन प्रमुख बुराइयों में शामिल किया गया है?
(ए) मैत्रायणी संहिता
(बी) जावाल उपनिषद्
(सी) शतपथ ब्राह्मण
(डी) छांदोग्य उपनिषद्

6. उत्तर-वैदिक काल में किस देवता को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था?
(ए) प्रजापति
(बी) इन्द्र
(सी) विष्णु
(डी) रुद्र

7. संस्कारों की कुल संख्या कितनी है?
(ए) 14
(बी) 15
(सी) 16
(डी) 18

8. तीन ऋण में शामिल नहीं है
(ए) देव ऋण
(बी) पितृ ऋण
(सी) ऋषि ऋण
(डी) मातृ ऋण

9. ऋग्वैदिक काल से संबंधित मृदभांड संस्कृति है
(ए) गेरुवर्णी मृदभांड (**OCP**) संस्कृति
(बी) चित्रित धूसर मृदभांड (**PGW**) संस्कृति
(सी) **a** और **b** दोनों
(डी) इनमें से कोई नहीं

उत्तर 1.(बी) 2.(ए) 3.(ए) 4.(डी) 5.(ए) 6.(ए) 7.(सी) 8.(डी) 9.(ए)

खबर संक्षेप

हरियाणा स्कूल में मनाया मदर्स डे

नारनौल। मोहल्ला चौधरीयान स्थित हरियाणा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को मातृ दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने मातृशक्ति को नमन करते हुए मां के प्रति अपने प्यार और समर्पण का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर चित्रकला, कविता वाचन व कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय चेयरमैन हितेंद्र शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, निर्देशिका संगीता शर्मा, हरिंद्र शर्मा ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गई। विद्यालय की निर्देशिका संगीता शर्मा व हरिंद्र शर्मा ने सभी माताओं का तिलक लगाकर स्वागत किया। विद्यालय चेयरमैन हितेंद्र शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, निर्देशिका संगीता शर्मा, हरिंद्र शर्मा ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। इस मौके पर प्राचार्य अवनीश सैनी, रामनिवास डीपीई, अशोक यादव, संजय कुमार, नरेश कुमार, दीपक, शुभराम, लोकेश, जोगेंद्र, अल्पना शर्मा, वंदना सैनी, लक्ष्मी चौहान, सुमन सैनी आदि मौजूद थे।

जिला बार एसोसिएशन में कार्यक्रम आयोजित

बार और बेंच के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण न्याय वितरण प्रणाली की मजबूती का आधार: नरेंद्र

कार्यक्रम में मंच का संचालन बार एसोसिएशन के सचिव प्रदीप यादव एडवोकेट ने किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

नारनौल। सम्मान समारोह में मौजूद जज व अधिवक्ता। फोटो: हरिभूमि

जिला बार एसोसिएशन की ओर से एक भव्य स्वागत व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज हर्षाली चौधरी, चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट विक्रमजीत सिंह, जुडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास गुरदीप कौर व चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट से प्रमोट होकर सिविल जज सीनियर डिवीजन जतिन गुजराल के प्रमोशन पर उनका विशेष सम्मान किया गया।

समारोह में जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा, एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन्स जज कंवरपाल सिंह, प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट अक्षदीप महाजन, जुडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास अनुराग यादव, जुडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास भुवनेश सैनी, जुडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास कोपल चौधरी, जुडिशियल ऑफिसर राकेश कुमार, जुडिशियल ऑफिसर गौरव मिश्रा, जुडिशियल ऑफिसर निशा सहित कई न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। मंच का संचालन बार एसोसिएशन के सचिव प्रदीप यादव एडवोकेट ने किया। अध्यक्ष संतोख सिंह यादव एडवोकेट ने कहा यह समारोह बार और बेंच के सौहार्दपूर्ण संबंधों का प्रतीक है। जब बार और बेंच मिलकर कार्य करते हैं, तो न्यायालय का कार्य अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बनता है। हम भविष्य में भी इसी तरह के आयोजनों से आपसी सहयोग और विश्वास को बढ़ावा देते रहेंगे।

ऐतिहासिक रहा आयोजन

कार्यकारिणी सदस्य उपाध्यक्षविकास सांगवान, सह सचिव चंद्र देव, कोषाध्यक्ष सुगन सिंह, ऑडिटर कार्तिक यादव व लाइब्रेरियन परमिंद्र यादव रघुनाथपुरा ने कहा कि यह आयोजन ऐतिहासिक रहा और इससे न्यायालय परिवार में आपसी भाईचारा, सहयोग तथा समझ मजबूत हुई है। भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करते रहेंगे।

इस मौके पर ओमप्रकाश यादव एडवोकेट, जसवीर ढिल्लो एडवोकेट, ललित कुमार एडवोकेट ने अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्ष संतोख सिंह यादव एडवोकेट ने सभी न्यायिक अधिकारियों व अधिवक्ताओं का बार रूम में पहुंचने व आयोजन को सफल बनाने के लिए जिला बार एसोसिएशन की ओर से धन्यवाद व्यक्त किया।

भविष्य में होंगे सम्मान समारोह

उन्होंने यह भी घोषणा की कि 29 मई को बार-बेंच मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन नीरपुर राजपूत स्टेडियम में शाम छह बजे से रात नौ बजे तक किया जाएगा, जिसमें न्यायिक अधिकारी व अधिवक्ता बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा ने कहा कि बार और बेंच के बीच सौहार्दपूर्ण तथा सहयोगी वातावरण न्याय वितरण प्रणाली की मजबूती का आधार है। इस आयोजन के लिए जिला बार एसोसिएशन को धन्यवाद देते है तथा आशा करते है कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन होते रहेंगे।

नारनौल। मदर्स डे कार्यक्रम में माताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

विद्या भारती पब्लिक स्कूल में मनाया मातृ दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

विद्या भारती पब्लिक स्कूल में मातृत्व दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने की। मुख्य अतिथि संस्था की वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव थी। भारतीय संस्कृति के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के आगे दीप प्रज्वलन व मातृशक्ति की पूजा अर्चना से किया गया। बच्चों ने मां की महिमा पर संगीत, लघु नाटिकाओं, भाषण व कविता के माध्यम से प्रकाश डाला।

इस अवसर किड्स ब्लॉक के लिटिल कृष्णा हाउस की तरफ से बच्चों व उनकी माताओं के विभिन्न प्रकार मनोरंजक खेलों व प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। जिनके विजेताओं को संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने उपस्थित सभी माताओं व अभिभावकों को सम्मानित किया। विद्यालय प्राचार्य विनोद यादव ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों का अपने माता-पिता व अपने से बड़ों के प्रति सम्मान की भावना जागृत होती है। मां ही वास्तव में एक बच्चे को प्रारंभ से लेकर अन्त तक बच्चे के जीवन को सफल बनाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाती है। मौके पर विद्यालय के प्रबंधक निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डा. रविन्द्रा यादव, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी, उपप्राचार्य सपना मल्होत्रा मौजूद थे।

मदर्स डे पर बीपीएस स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। मदर्स-डे कार्यक्रम भाग लेते बच्चे। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

बीपीएस स्कूल कुलताजपुर रोड में मदर्स डे पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था वाइस चेयरमैन कमल संघी व सह-सचिव डॉ. कर्ण चौधरी की उपस्थिति बच्चों के लिए प्रेरणादायक रही। सभी कार्यक्रमों में मां का बच्चों के प्रति निःस्वार्थ प्रेम, उनकी उदारता व वात्सल्य की भावना को व्यक्त किया गया। कक्षा पहली ट्युलिप से हर्षा व ग्रुप ने लुका छीपी बहुत हुई, सामने आ जाना मां कार्यक्रम के माध्यम से मां के प्यार को व्यक्त किया। कक्षा पांचवीं ट्युलिप व आठवीं अचीवर्स से मेरी मां मेरा रब गीत नृत्य के माध्यम से मां को भगवान के समतुल्य होने का उपदेश दिया। इंग्लिश अध्यापिका शालिनी गौड़ ने जन्म-जन्म हो तू ही मेरे पास मां गीत के माध्यम से मां के साथ बिताए हुए पलों को भावनात्मक रूप से व्यक्त किया। हिंदी अध्यापिका मिथिलेश ने तू कितनी अच्छी है, कितनी भोली है गीत के माध्यम से मां के प्रेम व उसकी मासूमियत को मंचासीन किया। विज्ञान संकाय के डीन जेपी गर्ग ने मां द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को तेरी उंगली पकड़ के चला गीत के माध्यम से याद किया। दिव्यांशी व दिव्यंका ग्रुप ने मां और बच्चों के बंधन को प्यार का बंधन बताते हुए ये बंधन तो प्यार का बंधन है गीत गाया। संस्था प्रिंसिपल उदयभान राव ने सभी बच्चों को अपने माता-पिता से असीमित प्रेम व सदैव उनका सम्मान करने की सलाह दी।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

यदुवंशी विद्यालय के छात्रों ने हर्षोल्लास से मनाया मातृ दिवस, बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं

महेंद्रगढ़। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में मदर्स-डे मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपनी माता के प्रति सम्मान और प्रेम व्यक्त किया। कार्यक्रम का आयोजन वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव के दिशा-निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के सभी विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना और स्वागत गीत से हुई। इसके बाद छात्रों ने नृत्य, कविता पाठ और नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से माताओं के प्रति अपने भाव प्रकट किए। छात्रों द्वारा तैयार किए गए हस्तनिर्मित कार्ड्स और उपहारों ने सभी माताओं को भावुक कर दिया। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि मां जीवन की प्रथम गुरू होती है। उनका सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने छात्रों के प्रयासों की सराहना की और माताओं को शुभकामना दी। चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि मां का प्यार और त्याग अनमोल होता है। मां केवल एक शब्द नहीं, बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड का सार है। मां वह शक्ति है जो बिना किसी स्वार्थ के हमें स्नेह देती है। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह यादव उपस्थित रहे।

माता-पिता की पुण्यस्मृति पर लगवाया टीनशैड

- माता-पिता की पुण्यस्मृति पर विद्यालय में लगवाया टीनशैड

हरिभूमि न्यूज ▶▶। महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। रिबन काटकर टीनशैड का उद्घाटन करते हुए। फोटो: हरिभूमि

राजकीय माध्यमिक विद्यालय कैमला में विज्ञान अध्यापक मास्टर मनवीर सिंह ने अपने पिता स्वर्गीय नरपत सिंह तंवर एवं स्वर्गीय माता अंगूरी देवी की पुण्यस्मृति में विद्यालय में टीन शैड का करवाया हैं। टीन शैड का उद्घाटन पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी डॉराजेंद्र सिंह यादव ने रिबन काटकर किया। डॉ. राजेंद्र यादव ने विद्यार्थियों को जीवन में शिक्षा की महत्वपूर्णता और सामाजिक कार्यों में सेवा एवं समर्पण भाव के साथ अनेक प्रेरक प्रसंग बताए, विद्यार्थियों जीवन की दशा और दिशा दोनों को बदल देते हैं तथा विद्यालय में सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को पांच टीमों में बांटा गया। टीम-सी सविना, कार्तिक, निधि, विवेक, हीना, पूर्वा 80 अंकों के साथ प्रथम रहें। जबकि रितु, मानवी, मयंक, जिया, नकुल की टीम-ए 75 अंकों के साथ द्वितीय रहीं। इसके अलावा टीम-ई पुनीत, नव्या, प्रदीप, परी, जयंत तृतीय स्थान पर रहें। विजेता विद्यार्थियों को मुख्यातिथि द्वारा सम्मानित किया।

मुख्याध्यापक वीरेंद्र सिंह जांगिड़ ने कहा कि नवाचार शिक्षण अधिगम के लिए पाठ्यक्रम आधारित सहगामी क्रिया-कलापों में प्रत्येक विद्यार्थी को हिस्सा लेना चाहिए, जिससे आत्मविश्वास की भावना जागृत होती है तो लक्ष्य निर्धारण की दिशा में सहायक होती है।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर मनवीर सिंह, सुनील कुमार शास्त्री, सुनील कुमार डीपीई, देवेंद्र यादव, भगत सिंह, राजेश कुमार, गरिमा रानी, तारामणि, पिंकी देवी, बबली देवी, सूबेसिंह एसएमसी प्रधान, सुनील कुमार डीटीएच चौकीदार आदि उपस्थित रहे।

नारनौल। मदर्स डे पर स्लोगन लिखकर प्रदर्शित करते विद्यालय के छात्र।

लिटिल चैंप्स प्ले स्कूल में मनाया मदर्स डे

नारनौल। लिटिल चैंप्स प्ले स्कूल मिश्रवाड़ा में बच्चों ने अपनी मां को मदर्स डे के स्पेशल मौके पर स्पेशल फील कराने के लिए इमोशनल लाइन ग्रीटिंग कार्ड पर स्लोगन लिखकर व्यक्त किए। सभी बच्चों ने खास उपहार व इमोशन से भरे खास मैसेज के जरिए अपनी मां को मदर्स डे पर विश करने के लिए कार्ड बनाएं। बच्चों ने स्लोगन में लिखा कि उदास होता हूं तो हंसा देती है मां, नींद नहीं आती है तो सुला देती है मां। इस अवसर पर विद्यालय की मुख्य अध्यापिका आशा मान ने मदर्स डे पर बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि मां और बच्चे का रिश्ता बहुत खास होता है। इस संसार में मां की ममता का कोई भी मुकाबला नहीं कर सकता। मां के समर्पण और प्रेम के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मदर्स डे मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि मदर्स डे की शुरूआत अमेरिकन एक्टिविटिसट एना जार्विस ने की थी। ऐना ने अपनी मां की पुण्यतिथि को मातृत्व दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की थी। इस मौके पर निशा सैनी, रिंकी संघी, शालू सैनी, पूनम, दिव्या संघी आदि अध्यापिकाएं उपस्थित थी।

गुरु द्रोणाचार्य स्कूल में बच्चों को मदर्स डे का महत्व बताया

- सर्वप्रथम संस्था के अध्यक्ष अजय ने मां की महत्व पर प्रकाश डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी किरारोद में मदर्स डे मनाया गया। सर्वप्रथम संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार ने मां की महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मां एक ऐसा शब्द है, जिसमें पूरा ब्रह्मांड समाहित है। वह बच्चे की पहली गुरु होती है, जो इस इस दुनिया में आने से पहले ही जीवन के पाठ सिखाती है। मां की ममता, त्याग, प्रेम और बलिदान की किसी चीज से तुलना नहीं की जा सकती है।

विद्यालय के प्राचार्य नेतराम सैनी ने कहा मदर्स डे की शुरूआत अमेरिका से हुई। एना जार्विस नामक महिला ने अपनी मां की स्मृति में यह दिन शुरू किया। एना की मां एक समाज सेविका थी और उन्होंने महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए काफी कार्य किया। विद्यालय की एमडी पूजन सैनी ने कहा कि मां का स्थान ईश्वर से भी ऊपर है। हमारे पुराण ग्रंथों में मां के रूप को विशेष स्थान दिया गया है।

इस अवसर पर प्रथम कक्षा की छात्रा अनाया ने ओ मेरी मां प्यारी मां, सारे जग से प्यारी मां, सारे जग से न्यारी मां कविता सुनाकर सभी बच्चों का मन मोह लिया। प्रथम कक्षा की दित्या ने भी मां पर कविता सुनाई। इस मौके पर वाइस चेयरमैन कुलदीप सैनी, मुकेश कुमार, कमल सिंह, कृष्ण कुमार, धर्मपाल, हेमंत, मोना, रेनू, कल्पना, मंजू, रेखा, उर्वी, रुकमा, सोनिका, लक्ष्मी शर्मा, पूनम सैनी, सुनीता यादव, सरती देवी, कांता, कविता, सरोज, पूजा सैनी, अमनप्रीत कौर, हरविंद्रपाल सिंह, प्रभजोत कौर, सविता, कुमारी प्रशस्ता, जिया शर्मा आदि मौजूद थे।

यदुवंशी कॉलेज में महाराणा प्रताप की जयंती मनाई

नारनौल। महाराणा प्रताप जयन्ती के उपलक्ष्य में यदुवंशी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य बजरंगलाल नें कहा कि राजस्थान में यह त्योहार भारतीय शासक प्रताप की जयंती को चिह्नित करता है। उप प्राचार्य सोनल यादव ने बताया कि महाराणा प्रताप कहा करते थे कि अपने व अपने परिवार के साथ जो अपने राष्ट्र के बारे में भी सोचते हैं, वही सच्चे नागरिक होते है। संस्था निदेशक सुरेश यादव नें जयंती के उपलक्ष में जानकारी दी कि प्रताप एक कूटनीतिक, राजनीतिक, मानसिक व शारीरिक क्षमता में अद्वितीय थे। उनकी लंबाई सात फीट व वजन एक सौ दस किलोग्राम था। 57 वर्ष आयु में विश्व के समक्ष अनेक आदर्शात्मक उदाहरण छोड़कर वे चले गए। डॉ. प्रदीप यादव ने बताया कि उदयपुर सिटी पैलेस के म्यूजियम में जाकर महाराणा के भाले और कवच आप देख सकते हैं। प्रताप का एक नारा था कि जब तक मेवाड़ स्वतंत्र नहीं हो जाता मैं महलों को छोड़कर जंगलों में रहूंगा, जो हमें राष्ट्रप्रेम के प्रति प्रेरित करता है। यदुवंशी एज्यूकेशन ग्रुप के चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने महाराणा प्रताप जयंती पर शत शत नमन करते हुए कहा कि राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रप्रेम, स्वाभिमान, स्वाधीनता की प्रतिबद्धता, सामाजिक समरसता, नारी सम्मान इन सभी बातों ने प्रताप को अविस्मरणीय बनाया।

मॉडर्न स्कूल में मदरर्स-डे व महाराणा प्रताप की जयंती मनाई

महेंद्रगढ़। मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को मदरर्स-डे व वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन महाराणा प्रताप हाउस की ओर से किया गया। जिसका नेतृत्व कक्षा 12वीं की छात्रा नंदनी द्वारा किया गया। प्रेस प्रवक्ता भूपेंद्र सैनी ने बताया कि मदरर्स-डे पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा लघुनाटिका, कविता व सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से मां की महिमा के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। कक्षा 11वीं की छात्रा लक्की व अंजली द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी की भरपूर तालिया बंटोरी। चेयरमैन सतन सिंह ने सर्वप्रथम डांस अध्यापिका करीना सैनी की प्रसंसा करते हुए कहा कि इतने कम समय में बच्चों की इतनी सुंदर व अदभुत तैयारी के लिए व बधाई की पात्र है। प्राचार्य प्रदीप कुमार तवंर व अन्य शिक्षकों ने वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

बीआर स्कूल में मनाया मातृ दिवस

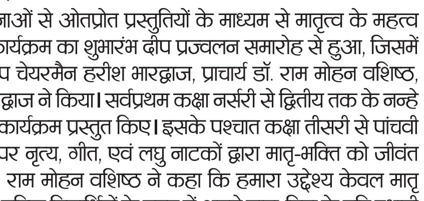

महेंद्रगढ़। बीआर स्कूल सेहलंग में मातृ दिवस मनाया गया। यह आयोजन विद्यालय के प्रांगण में तीन चरणों में संपन्न हुआ, जिसमें नन्हे विद्यार्थियों से लेकर वरिष्ठ वर्ग के छात्र-छात्राओं ने भावनाओं से ओतप्रोत प्रस्तुतियों के माध्यम से मातृत्व के महत्व को उजागर किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन समारोह से हुआ, जिसमें मुख्यातिथि बीआर ग्रुप चेयरमैन हरीश भारद्वाज, प्राचार्य डॉ. राम मोहन वशिष्ठ, उपप्राचार्या ज्योति भारद्वाज ने किया। सर्वप्रथम कक्षा नर्सरी से द्वितीय तक के नन्हे विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसके पश्चात कक्षा तीसरी से पांचवी के विद्यार्थियों ने मंच पर नृत्य, गीत, एवं लघु नाटकों द्वारा मातृ-भक्ति को जीवंत कर दिया। प्राचार्य डॉ. राम मोहन वशिष्ठ ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल मातृ दिवस मनाना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के हृदय में अपने माता-पिता के प्रति स्थायी सम्मान और श्रद्धा को स्थापित करना है। चेयरमैन हरीश भारद्वाज ने कहा कि जब विद्यार्थी स्वयं कुछ करके सीखते हैं और मूल्यों को आचरण में उतारते हैं, तभी शिक्षा स्थायी बनती है।

समाज व राष्ट्र के मार्गदर्शन के लिए महापुरुषों की जयंतियां मनाना जरूरी: ठाकुर

भोजावास में वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की जयंती मनाई

- कार्यक्रम में प्रमुख समाजसेवी अतरलाल मुख्य अतिथि थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

नारनौल। महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत करते नेताजी अतरलाल व अन्य। फोटो: हरिभूमि

गांव भोजावास में वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की जयंती धूमधाम से मनाई गई। प्रमुख समाजसेवी अतरलाल मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिला प्रधान भाग सिंह चेयरमैन ने की। चेयरमैन रतनसिंह तंवर, सुरेन्द्र सिंह परमार चरखी दादरी, इनेलो हलका प्रधान कर्णसिंह यादव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अतरलाल ने महाराणा प्रताप की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर व माल्यार्पण कर किया। अतरलाल ने कहा कि समाज व राष्ट्र के मार्गदर्शन के लिए शहीद वीर महापुरुषों की जयंतियां मनाना जरूरी है। उन्होंने महाराणा प्रताप को स्वाधीनता का अग्रदूत बताते हुए कहा कि उनके संघर्ष और बलिदान में देश दुनिया के इतिहास को नया मोड़ दिया। इसलिए आज महाराणा प्रताप व शहीदों के इतिहास को जन जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने जनता से शाकाहारी बनने की अपील की। उन्होंने राज्य सरकार से भोजावास गांव के महाराणा प्रताप चौक पर महाराणा प्रताप की अश्वारोही मूर्ति स्थापित करने की मांग की। समारोह में केन्द्र सरकार की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ किए गए ऑपरेशन सिंदूर के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए प्रस्ताव पास किया। चेयरमैन रतन सिंह तंवर, सुरेन्द्र परमार, कर्णसिंह यादव, भागसिंह चेयरमैन, नरपत सिंह कमांडो, मास्टर प्रह्लाद सिंह, प्राध्यापक बालवान ने महाराणा प्रताप के जीवन मूल्यों के बारे में प्रकाश डाला।

मौके पर यह रहे मौजूद

समारोह में समाजसेवा व देशभक्ति के कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए बहन विदुषी मीरा बाई, सतबीर जांगड़ा, शेरसिंह यादव, आशुकवि परमानंद शर्मा, कवि भरत सिंह, नरपत सिंह कमांडो, ओपी हिंदुस्तानी, सुमेर सिंह नायब कोर्ट, कवि नुसरत खान, संतलाल शर्मा, बजरंग सिंह चौहान सरपंच, डॉ. रविन्द्र शर्मा, मनीष जांगड़ा, पूर्ण सिंह तंवर प्रधान गोशाला, बीएल सैनी को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर किशनपाल सिंह तंवर, सरपंच प्रतिनिधि पवन तंवर, नत्थूसिंह नम्बरदार, जगदीश प्रधान, शिशराम प्रधान, विजय अग्रवाल, डॉ. रविन्द्र शर्मा, राजेन्द्र सिंह नम्बरदार, घनश्याम पंच, बाबूलाल सरपंच, बलबीर सिंह सरपंच आदि मौजूद थे।

माता मरियम स्कूल में मदर्स डे की धूम

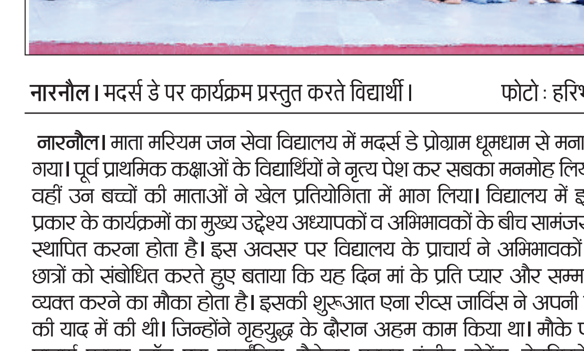

नारनौल। मदर्स डे पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। माता मरियम जन सेवा विद्यालय में मदर्स डे प्रोग्राम धूमधाम से मनाया गया। पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों ने नृत्य पेश कर सबका मनमोह लिया। वहीं उन बच्चों की माताओं ने खेल प्रतियोगिता में भाग लिया। विद्यालय में इस प्रकार के कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य अध्यापकों व अभिभावकों के बीच सामंजस्य स्थापित करना होता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ने अभिभावकों व छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि यह दिन मां के प्रति प्यार और सम्मान व्यक्त करने का मौका होता है। इसकी शुरूआत एना रीव्स जार्विस ने अपनी मां की याद में की थी। जिन्होंने गृहयुद्ध के दौरान अहम काम किया था। मौके पर प्राचार्य फादर जॉन एम फर्नांडिस, मैनेजर फादर रंजीत सोरेंग, हेडमिस्ट्रेस सिस्टर सविता, कोऑर्डिनेटर रितु शर्मा व विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

अधिकारी व कर्मचारियों के अभाव में कनीना का ब्लॉक एग्रीकल्चर ऑफिस रामभरोसे

- दो साल से बीएओ डेपूटेशन पर, सात साल से नहीं हैं आठ एडीओ
- एचकेआरएन के कर्मचारी समझ रहे व्यवस्था
- किसानों को केंद्र व प्रदेश की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने में आ रही दिक्कत

दलीप सिंह ▶▶| कनीना

नई आनाज मंडी चेलावास में बने नवनिर्मित भवन में संचालित कृषि विभाग का कार्यालय बिना अधिकारी व कर्मचारियों के रामभरोसे चल रहा है। जिससे के कारण केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से किसानों के हित में क्रियान्वित की गई कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समय पर नहीं मिल पा रही है। वहीं फसल कटाई व बुकिंग का कार्य प्रभावित हो रहा है। किसानों को फसल खराबा के संदर्भ में रिपोर्ट देने तथा पीएम किसान निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए धक्के खाने पड़ रहे हैं। मिट्टी पानी की जांच लैब कनीना में नहीं होने से किसानों को महेंद्रगढ़ के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। बता दें कि कहने को तो यहां पर ब्लॉक एग्रीकल्चर ऑफिसर संदीप कुमार नियुक्त हैं, लेकिन निदेशक कृषि एवं कल्याण विभाग पंचकूला की ओर से पिछले दो साल से भूमि संरक्षण कार्यालय पटौदी में बतौर एडीओ के पद पर डेपुटेशन पर भेज दिया गया है। दूसरी ओर कृषि विभाग का कार्यालय नए भवन में स्थानांतरित हुए सालभर हो गया है, लेकिन भवन पर आज तक कार्यालय सम्बंधी कोई बोर्ड नहीं लगाया गया है। जिससे अधिकांश किसान कृषि कार्यालय पंहुचने से पहले ही वापस लौट जाते हैं।

कनीना। नए कृषि अधिकारी कार्यालय में उपस्थित विषय विशेषज्ञ डॉ. योगेश यादव व एचकेआरएन कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

दफ्तर में खाली पड़े हैं पद

इस बारे में विषय विशेषज्ञ डॉ. योगेश यादव ने बताया कि कनीना के कृषि कार्यालय में ब्लाक एग्रीकल्चर ऑफिसर की पोस्ट पिछले दो साल से रिक्त है। वहीं एडीओ के आठ पद स्वीकृत हैं। जिनमें पिछले सात साल से एक एडीओ से काम चलाया जा रहा था, उसका भी एक वर्ष पूर्व स्थानांतरण कर दिया गया। एडीओ के सभी आठ पद खाली होने के बाद फिल्ड व कार्यालय के सभी कार्य ठप्प हो गए। कृषि कार्यालय में पांच चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद स्वीकृत हैं, जिनमें से दो पद खाली हैं। उन्होंने बताया कि केंद सरकार की ओर से किसानों के कल्याण के लिए लॉन्च की गई आत्मा स्कीम के तहत सहायक तकनीकी प्रबंधक के तीन पद स्वीकृत हैं। जिनमें एक कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर जिला कृषि कार्यालय नारनौल में कार्यरत है। इसी प्रकार कृषि पर्यवेक्षक के रूप में नौ पद स्वीकृत हैं, जिनमें से दो पद रिक्त हैं। इनका कार्य गांव गांव खेतों में मौके पर जाकर फसल कटाई व फसल पैदावार का आंकलन की रिपोर्ट तैयार कर कृषि उपनिदेशक कार्यालय में भेजने का है।

एचकेआरएन कर्मचारी कर रहे काम

दिलचस्प बात है कि कृषि कार्यालय में कार्यरत उपरोक्त अधिकांश पांच छह कर्मचारी एचकेआरएन के तहत लगे हुए हैं। इन कर्मचारियों के भरोसे ही कनीना में ब्लॉक स्तर का कृषि कार्यालय संचालित हो रहा है। किसान सत्यवीर सिंह रामबास, वेदप्रकाश ढाणा, प्रेमसिंह मोहनपुर, नरेंद्र कुमार छितरोली, प्रताप सिंह उन्हाणी ने प्रदेश सरकार से कृषि व किसान कल्याण विभाग कार्यालय में सभी पदों पर नियुक्ति करने की मांग की है।

कई बार लिखा पत्र

इस बारे में कृषि विभाग के एसडीओ डॉ. अजय यादव ने बताया कि एचकेआरएन कर्मचारियों के माध्यम से किसानों को सुविधाएं देने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा उच्च अधिकारियों को बीएओ, एडीओ सहित अन्य पदों को भरने के लिए कई बार पत्र लिखा गया है।

खबर संक्षेप

आपदा प्रबंधन के लिए तैयार रहें शिक्षक

नारनौल। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन हेतु मॉक ड्रिल का अभ्यास किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान ने कार्यालय के समस्त कर्मचारियों व रेडक्रॉस के ब्रिगेड ऑफिसर्स के रूप में कार्यरत शिक्षकों को संबोधित करते हुए बताया कि सरकार एवं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार शिक्षकों को भी आपदा प्रबंधन के सभी चरणों के लिए तैयार रहना होगा।

राजकीय महाविद्यालय जागरूक किया

मंडी अटेली। राजकीय महाविद्यालय अटेली के सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नारनौल व कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ, राजकीय महाविद्यालय अटेली के संयुक्त तत्वाधान में कानूनी दृष्टि से हरित निर्णय हाल के पर्यावरण कानून मामलों का एक व्यापक सार अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के आमंत्रित अधिवक्ता अनुप्रिया यादव ने विभिन्न विषयों जैसे आम जनता को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित करना, प्लास्टिक के उपयोग से स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ने वाले बुरे प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाना,पीड़ितों को कानूनी सहायता परामर्श और पुनर्वास सहायता की उपलब्धता के बारे में जागरूकता फैलाना है।

यूएवी की उड़ान पर पाबंदी लगाई

नारनौल। जिलाधीश डॉ. विवेक भारती ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 व ड्रोन नियम 2021 के नियम 24 के तहत महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, सार्वजनिक आश्रयों, अस्पतालों अन्य रणनीतिक क्षेत्रों या रणनीतिक बिंदुओं से दो किलोमीटर के दायरे में ड्रोन, ग्लाइडर, रिमोट कंट्रोल एयरक्राफ्ट, फ्लाइंग कैमरा, क्वाड्रोटर, हवाई कवरेज के लिए हेलीकैम आदि जैसे किसी भी यूएवी की उड़ान को आपातकालीन रूप से प्रतिबंधित किया है।

बिहाली से राजस्थान की सीमा तक लिंक रास्ते नहीं नहीं बन रहा, किया प्रदर्शन

ग्रामीणों का अल्टीमेटम, सप्ताह में रास्ते का काम शुरू नहीं हुआ तो धरने पर बैठेंगे

ग्रामीण बोले- प्रशासन ने इस निर्माण कार्य को एक साल से अधर में लटका रखा है, जिसका खामियाजा यहां के नागरिक भोग रहे हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र के गांव बिहाली से राजस्थान की सीमा तक लिंक रास्ते का निर्माण कार्य अधर में लटक जाने के कारण ग्रामीणों ने सरकार व प्रशासन के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। गुस्साई ग्रामीणों ने अल्टीमेटम दिया कि अगर एक सप्ताह के अंतर्गत इस कार्य को चालू नहीं किया गया तो मजबूरन धरने पर बैठें जाएंगे जिसका जिम्मेदार सरकार व प्रशासन होगा। ठेकेदार की कार्यप्रणाली के चलते लटक गया है। ग्रामीण कैप्टन सुमेर सिंह, मनोज कुमार, नितिन कुमार, महावीर सिंह, प्रदीप कुमार, लाल सिंह, कर्ण सिंह, निहाल सिंह पंच, बाबूलाल, महेंद्र सिंह, मुकेश कुमार, सतीश कुमार, संदीप कुमार, बिक्रम सिंह, रामनिवास व संजय आदि सहित अनेक गणमान्य लोग ने रास्ते का निर्माण कार्य अधर में लटक जाने की परेशानी को लेकर विरोध प्रदर्शन किया तथा सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

उन्होंने कहा कि सरकार की अनदेखी के चलते प्रशासन के नुमाइंदे इस निर्माण कार्य को पिछले एक साल से अधर में लटका रखा है जिसका खामियाजा यहां के नागरिक भोग रहे हैं। बताया जाता है कि प्रारंभ में मार्ग का निर्माण कार्य राशि के अभाव में अधर में लटक गया तो अब टैंडर व कार्यादेश का समय पूरा होने के बावजूद भी कार्य बंद है। जानकारी के अनुसार सरकार की योजना के तहत लगभग दो साल पहले चार करम के कच्चे लिंक रास्तों को पक्का करने के लिए गांव बिहाली से रैवाना, तलवाना राजस्थान की सीमा तक रास्ता निर्माण कार्य शुरू किया गया। रास्ता निर्माण हेतु 12 फुट चौड़ा करने के लिए राशि स्वीकृत हुई थी, लेकिन ग्रामीणों की मांग के चलते इसकी चौड़ाई 16 फुट की गई, जिससे राशि का अभाव हो गया। तत्कालीन विधायक के हस्तक्षेप से 31.41 लाख रुपये की राशि ओर स्वीकृत हुई, ताकि रास्ते का निर्माण कार्य सम्पूर्ण हो सके। यह राशि रिकॉर्ड के अनुसार 21 नवम्बर 2023 को मंजूर हुई। पंचायती राज के तहत 18.92 लाख रुपये की राशि का टैंडर बाबा भोलेनाथ एजेन्सी नसीबपुर के नाम पर छोड़ा गया। विभाग ने गत 15 जून से 30 जुलाई तक कार्य को सम्पूर्ण करने के लिए कार्यादेश दिया, लेकिन ठेकेदार ने रास्ते में नाममात्र के रोड़े डालकर ही कार्य की शुरू किया।

मंडी अटेली। बिहाली में लिंक रास्ते का निर्माण नहीं होने पर विरोध करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

रिकॉर्ड में कार्य पूरा धरातल पर अधूरा

रिकॉर्ड के अनुसार इस मार्ग का निर्माण कार्य चाहे पूर्ण हो चुका हो, लेकिन धरातल पर कुछ और ही तस्वीर नजर आ रही है। रास्ते में पड़े हुए रोड़ों के बीच से गुजरते समय आम नागरिक बेहद परेशान हैं। वहीं दुपहिया वाहन चालक भी अक्सर गिरते पड़ते ही रहते हैं, लेकिन पिछले एक साल से इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। आखिर क्षेत्र के लोगों ने परेशान होकर विरोध प्रदर्शन करना पड़ा तथा यह भी अल्टीमेटम दिया कि अगर एक सप्ताह में निर्माण कार्य को चालू नहीं किया गया तो सीएम विंडो में शिकायत देने के साथ–साथ धरने पर बैठेंगे। उक्त लोगों ने सरकार व प्रशासन से शीघ्र ही रास्ते का निर्माण कार्य पूरा किए जाने की मांग की है।

जल्दी ही शुरू करवाएंगे काम

बाबा भोलेनाथ एजेन्सी नसीबपुर के ठेकेदार के नाम 18.92 लाख रुपये की लागत से कार्य करने का टैंडर छोड़ा गया था, जिसके कार्यादेश 15 जून से 30 जुलाई तक रास्ता पूर्ण किए जाने के थे, लेकिन रास्ते का निर्माण कार्य नहीं किया गया। इसके लिए ठेकेदार को नोटिस जारी किया गया है तथा उच्च अधिकारियों को भी इस बारे अवगत करावा दिया गया है। जल्द ही ठेकेदार के माध्यम से निर्माण कार्य को चालू किया जाएगा।

-नरेंद्र एसडीओ, खण्ड विकास एवं पंचायत कार्यालय, मंडी अटेली।

महेंद्रगढ़। तीन दिवसीय औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थी एवं शिक्षक।

शैक्षणिक भ्रमण व्यावहारिक समझ को बढ़ाते हैं: कुलपति

- हकेंवि के विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय औद्योगिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी (पीपीटी) विभाग द्वारा बीटेक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण में 23 विद्यार्थियों सहित विभाग के संकाय सदस्यों एवं तकनीकी कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों की व्यावहारिक समझ को बढ़ाते हैं तथा उन्हें उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं के प्रति जागरूक करते हैं। विश्वविद्यालय में स्कूल आफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के डीन व विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार व विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि इस प्रकार के भ्रमण न केवल विद्यार्थियों को वर्तमान उद्योग मानकों और प्रिंटिंग तकनीकों से अवगत कराते हैं, बल्कि उन्हें नवाचार की ओर भी प्रेरित करते हैं। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों ने हरिद्वार, उत्तराखंड स्थित आईटीसी लिमिटेड व पतंजलि की प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग यूनिट का भ्रमण किया।

सूरज स्कूल में मॉक ड्रिल करवाई

महेंद्रगढ़। भारत-पाकिस्तान के बीच उत्पन्न तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए सूरज स्कूल में सुरक्षा की दृष्टि से मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस ड्रिल का उद्देश्य छात्रों का आपातकालीन परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा और अन्य लोगों की सहायता करने के उपायों से अवगत कराना था। निदेशक संदीप प्रसाद ने कहा कि वर्तमान समय में सतर्कता और तैयारी ही सबसे हथियार है। उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल के माध्यम से छात्रों में आत्मविश्वास और संकट प्रबंधन की क्षमता विकसित होती है। प्राचार्या रितू चहल ने भी छात्रों को जागरूक करते हुए कहा कि हर विद्यार्थी को संकट की घड़ी में धैर्य बनाए रखते हुए सूझबूझ से काम लेना चाहिए। ऐसी ड्रिल्स जीवनरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

हैप्पी स्कूल के बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

- मां को समर्पित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की कई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मां का स्थान ईश्वर से भी श्रेष्ठ बताया गया है। मां के त्याग बलिदान और समर्पण की कहानी इतिहास सदा बताता रहा है और सदा बताता रहेगा। उपरोक्त विचार हैप्पी स्कूल के प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल और चंचल अग्रवाल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कही। विद्यालय में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। समूह गान, समूह नृत्य, एकल नृत्य, पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता और फोटो फ्रेम मेकिंग प्रतियोगिता के माध्यम से मातृत्व की भावनाओं को व्यक्त किया गया। विशेष स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल द्वारा सम्मानित किया गया। उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल और मैनेजर चंचल अग्रवाल ने बताया कि यह दिन हमें मां के त्याग, समर्पण और उनके द्वारा दिए गए प्यार के लिए धन्यवाद कहने का अवसर प्रदान करता है। संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल ने कहा कि इस वर्ष मातृ दिवस की थीम के अनुसार स्वस्थ शुरूआत, आशावान भविष्य का अर्थ है कि गर्भावस्था के शुरू से ही महिलाओं को सेवाएं मिलनी चाहिए।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

टैगोर स्कूल में गोल्ड मेडल विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

महेंद्रगढ़। गत दिवस सातवीं नेशनल लेवल कराटे प्रतियोगिता का आयोजन जोधपुर में हुआ, जिसमें टैगोर स्कूल के विद्यार्थियों ने भाग लिया। मीडिया प्रभारी मनीष यादव ने बताया कि आयोजित प्रतियोगिता में नौवीं कक्षा से आयुष ने आयु वर्ग–17 में गोल्ड मेडल हासिल किया व सातवीं कक्षा से लोकेश ने आयु वर्ग–14 में गोल्ड मेडल हासिल किया। इस उपलक्ष्य पर विद्यालय में खिलाड़ियों को फूलमाला पहनाकर व मिठाई बांटकर सम्मानित किया गया। चेयरमैन डॉ. बीएल यादव ने सभी खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सेना की सफलता पर हवन किया

मंडी अटेली। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के सफलता के लिए पर आर्य समाज अटेली की ओर से अटेली स्टाईलोक प्रतिष्ठान के सामने कस्बे में शुकवार को हवन यज्ञ किया गया। यज्ञ में आर्य समाजियों के अलावा अनेक लोगों ने हिस्सा लिया। हवन के पुरोहित राम अवतार पुरूषार्थी, धर्मबीर आर्य व दिनेश आर्य रहे।

अटेली आर्य समाज के प्रधान प्रधान हरदयाल आर्य ने कहा कि अखंड भारत का आतंकवाद पर विजय की कामना के लिए आर्य समाज ने हवन किया है। उन्होंने सर्व समाज के लोगों से आग्रह किया की वे भारतीय सेना के आतंक व पापियों पर विजय के संकल्प के लिए आहुति डाली गयी।

एचपीएस स्कूल में मातृ दिवस मनाया

नारनौल। नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ उनकी माताओं ने भी हिस्सा लेकर कार्यक्रम को चार चांद लगाए। मदर्स डे कार्यक्रम में विद्यालय एमडी डॉ. हितेश वर्मा मुख्य अतिथि रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता एमडी निधि वर्मा ने की। विद्यालय एमडी निधि वर्मा ने विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने मां की महिमा पर कविता व सुंदर नाटिका प्रस्तुत किए।

राव जयराम स्कूल में विज्ञान प्रश्नोत्तरी हुई

महेंद्रगढ़। राव जयराम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विज्ञान विभाग द्वारा एक ज्ञानवर्धक विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय की तीन प्रमुख हाउस सुभाष चंद्र बोस हाउस, एपीजे अब्दुल कलाम हाउस और रविंद्र नाथ टैगोर हाउस से कुल 21 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। गहन प्रतिस्पर्धा के पश्चात रविंद्र नाथ टैगोर हाउस से महक, रिया, दक्ष, साहिल, पार्थ, महक और शिवम की टीम विजेता ने अपने तेज उत्तर और सामूहिक समझ से निर्णायकों को प्रभावित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। एपीजे अब्दुल कलाम हाउस की टीम, जिसमें रिया, पलक, लिपिका, दिव्या, केशव, हर्षिता और प्रवीन द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य नरेंद्र यादव एवं सीईओ राजेश यादव ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार एवं प्रशंसा-पत्र प्रदान किए।

राव रामचंद्र स्कूल में मनाया मातृत्व दिवस

कनीना। राव रामचंद्र मेमोरियल पब्लिक स्कूल में मातृत्व दिवस बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। इस दौरान विद्यालय को सुंदर ढंग से सजाया गया और बच्चों ने अपनी माताओं के लिए विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था चेयरपर्सन द्वारा अपने कर कमलों से दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने माताओं के सम्मान में गीत, कविताएं, नाटक और नृत्य प्रस्तुत किए। छोटे-छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए। अभिनय और नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। कुछ बच्चों ने अपनी माताओं के लिए खुद लिखी कविताएं भी सुनाई। चेयरमैन रोशनलाल यादव ने कहा कि मां ही बच्चे की प्रथम शिक्षक होती है और उनका प्यार और मार्गदर्शन जीवनभर साथ रहता है।

श्रीकृष्णा स्कूल में मातृ दिवस मनाया

- कविता वाचन, भाषण व क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

श्रीकृष्णा स्कूल में मातृ दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव व अध्यक्षता प्राचार्य रवि प्रकाश ने की। मिडल हेड सुरेंद्र कुमार ने बताया कि स्कूल में मातृ दिवस पर कविता वाचन, भाषण व क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे स्कूल के सभी पांचों हाउस के विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि कविता वाचन प्रतियोगिता में स्वामी विवेकानंद हाउस से इशिता प्रथम, कल्पना चावला हाउस से गरिमा ने दूसरा व एपीजे अब्दुल कलाम हाउस से राधिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में स्वामी विवेकानंद हाउस से तमन्ना प्रथम, सुभाषचंद्र बोस हाउस से हर्षिता ने दूसरा व भगत सिंह हाउस से अक्षिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि क्विज प्रतियोगिता में बानी, तन्नू, निव्यांशी, लावनिया व काव्या ने सबसे अधिक अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से विद्यार्थियों में रचनात्मकता एवं सृजनात्मकता बढ़ती है एवं एक-दूसरे के साथ कार्य करते हुए विद्यार्थी बहुत जल्दी सीख पाते है। सीईओ कर्मवीर राव ने कहा कि मां परिवार की रीढ़ होती हैं जो पूरे परिवार को बांधती हैं। मां हमें दुनिया का सामना करने का आत्मविश्वास देती हैं और हमें अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

प्राचार्य रवि प्रकाश ने कहा कि मां की स्थिति भगवान से कम नहीं है। मां ने हमें जीवन दिया और हमें अपने पैरों पर खड़ा किया।

महेंद्रगढ़। विजेता को मेडल पहनाकर सम्मानित करते चेयरमैन डॉ. बीरसिंह।

रेडीमेड वस्त्र यूनियन के प्रधान धर्मवीर की जजपा में वापसी

नारनौल। रेडीमेड वस्त्र एसोसिएशन के प्रधान व पूर्व हल्का अध्यक्ष धर्मवीर यादव आज पुनः घर वापसी हो गई है। उन्होंने शुक्रवार को फिर से जननायक जनता पार्टी को ज्वाइन कर लिया। इस मौके पर धर्मवीर यादव का जजपा के नवनियुक्त जिला प्रधान राजकुमार खातोद ने सिंघाना रोड स्थित जजपा के जिला कार्यालय में पार्टी का पटका पहना कर स्वागत किया और उन्हें विधिवत रूप से पार्टी ज्वाइन करवाई। इस मौके पर जिला प्रधान राजकुमार खातौद ने कहा कि धर्मवीर यादव हमारी पार्टी के मजबूत कार्यकर्ता रहे हैं और इनके आने से पार्टी को फिर से मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों में पार्टी को कई अनुभवी नेता निजी कारणों का हवाला देकर पार्टी छोड़ गए थे।